

शुकरीयाँ लखदातार शुकरीयाँ लखदातर

इतना दिया है जिसका बाबा न था मैं हकदार,
शुकरीयाँ लखदातार शुकरीयाँ लखदातर,

आज जो कुछ भी हु तेरे एहसान है
तेरे नाम से ही मेरी पहचान है,
गिन भी नहीं पाऊ मैं बाबा इतने तेरे उपकार,
शुकरीयाँ लखदातार शुकरीयाँ लखदातर,

कर्म ऐसे भी न थे कुछ अच्छे मेरे,
भाव दिल में भी न ये श्याम सचे मेरे,
मुझ जैसे पापी को बाबा तुमने किया सवीकार,
शुकरीयाँ लखदातार शुकरीयाँ लखदातर,

मोहित कैसे करे शब्दों में धन्ये वाद,
तूने पूरी करी मेरी हर इक मुराद ,
भजनों की सेवा का बाबा मुझको दिया उपहार,
शुकरीयाँ लखदातार शुकरीयाँ लखदातर,

Source:

<https://www.bharattemples.com/shukariyan-lakhdatar-shukariyan-lakhdatar/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>